बर्षः- 06
अंकः- 124
मुरादाबाद
(Tuesday)
25 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हनुमानगढ़ी में दर्शन, बाहर आकर मछली की दावत और फिर राम-राम', सीएम योगी का अजय राय पर तंज

जनता दर्शनः सीएम से पूनम बोली- 'आत्मनिर्भर बनना चाहती हूं', योगी ने कहा- मन से गोसेवा करो, कष्ट दूर होंगे

नता दर्शन में सीतापुर की पूनम देवी ने गोपालन के जरिए आत्मनिर्भर बनने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराने और सरकारी योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने गोसेवा के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं एक दिव्यांग ने जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की, जिसकी जांच के निर्देश दिए गए।सीतापुर के गुरुदेव नगर हरगांव की रहने वाली पूनम देवी 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री से मिलीं और गोपालन की अभिलाषा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल उनकी मांगों पर विचार करते हुए अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को निर्देश दिया कि इन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराई जाए और नियमानुसार योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए। वहीं एक दिव्यांग ने अवैध कब्जे की भी शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने जांच कराकर निराकरण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त- हरसंभव मदद करेंगे मुख्यमंत्री को दिए प्रार्थना पत्र में पूनम देवी ने लिखा कि वह गोपालन करके आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। अभी उनके पास 5 गाय हैं और अन्य गोमाता को रखने के लिए पर्याप्त जगह भी है। ऐसे में उन्हें और भी गाय दिला दी जाएं, जिससे वे दूध आदि की बिक्री कर परिवार को समृद्ध करेंगी। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपर मुख्य सचिव (पशुधन) को निर्देश दिया कि इन्हें निराश्रित गाय उपलब्ध कराई जाए और मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत गोवंश की देखभाल के लिए आर्थिक सहायता भी दिलाई जाए। जनता दर्शन' में पहुंचे दिव्यांग ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी जमीन पर किसी ने कब्जा कर लिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने जांच कराकर पीड़ित के यथासंभव मदद करने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त सीएम योगी ने प्रदेश के अन्य जनपदों से आए लोगों की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण का भी निर्देश दिया। सीएम योगी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि वह हनुमानगढ़ी में दर्शन करते हैं। बाहर आकर मछली की दावत उड़ाते हैं। फिर राम-राम करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को रायबरेली पहुंचे। यहां उन्होंने जिले को 879 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर वह राहुल गांधी पर जमकर बरसे। कहा कि कांग्रेस पार्टी राम मंदिर का विरोध करती रही है। उसे गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला बताया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हनुमानगढ़ी में दर्शन करने जाते हैं। बाहर आकर मछली की दावत उड़ाते हैं। फिर, राम-राम चिल्लाते हैं। अरे अयोध्या के बाहर खा लेते, जो खाना था। बेशर्मी की भी एक सीमा होती है, इनके सामने गिरगिट भी शरमा जाता है।प्रदेश को माफिया प्रदेश बना दिया था कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के भाई की हत्या की गई थी। ये हत्यारों के खिलाफ बयान देने नहीं गए। दुर्दांत माफिया के सामने घुटने टेक दिए। वो तो हमारी सरकार आई, सरकार ने माफिया की भूसी निकाल दी। इन लोगों ने प्रदेश को माफिया प्रदेश बना दिया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का कहना है कि केवल उनके परिवार को ही सम्मान मिले। इन्होंने कभी भारत के क्रांतिकारियों और नायकों को सम्मान देने का कार्य नहीं किया। राहुल गांधी से देश कोई अपेक्षा नहीं करता- इस मौके पर सीएम ने कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों को विस्मृत कर देता है, उसका कोई भविष्य नहीं होता। भारत की परंपरा और आदर्शों को भुलाकर देश के खिलाफ षड्यंत्र करने का कुछ लोगों ने ठेका ले लिया है। मंगल पांडेय, नाना साहब, तात्या टोपे और रानी लक्ष्मीबाई ने जिस स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को आगे बढ़ाया, उसी लड़ाई का नेतृत्व रायबरेली क्षेत्र में राना बेनी माधव बख्श सिंह ने किया। यही वजह है कि वर्षों बाद भी लोग उन्हें याद करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि एक व्यक्ति के रूप में देश को उनसे कोई अपेक्षा नहीं है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष होने के नाते वह संसद और लोकतंत्र के प्रति जवाबदेह हैं। राहुल गांधी ने संविधान की शपथ ली है, लेकिन भारत की परंपरा और विरासत को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। वह यूपी के बाहर जाकर यूपी को बदनाम करते हैं। देश के बाहर जाकर देश का अपमान करते हैं। वह देश विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित करते हैं। देश ने आपातकाल की 'काली छाया' देखी है सीएम ने आगे कहा कि भारत की सेना जब सीमा पर दुश्मनों से लड़ती है तो आप उससे जवाब मांगते हैं। अयोध्या में श्रीराम के अस्तित्व पर आपकी पार्टी सवाल खड़े करती है। देश ने वर्ष 1975 में आपातकाल की 'काली छाया' देखी है। जंतर मंतर में अभी एक बेटी ने पीएम मोदी पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। बाद में उस बेटी और उसके माता-पिता ने इस बात को स्वीकार किया कि उनकी बेटी ने गलत बोला है। आप अर्बन नक्सलियों के हाथों देश को क्यों बेचना चाहते हैं? कांग्रेस ने देश को लूटा- उन्होंने आगे कहा कि अमेठी और रायबरेली इस परिवार को ढोता तो रहा, लेकिन इन्होंने इन जिलों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। यहां सब कुछ एक ही परिवार के नाम पर कर दिया गया। 1925 में काकोरी से ब्रिटिशर्स द्वारा जो खजाना ले जाया जा रहा था, क्रांतिकारियों ने उसे अपने कब्जे में लिया था। कांग्रेस ने उसे काकोरी ट्रेन लूट घटना नाम दिया। अरे लूटा तो आपने है देश को। देश को लूटकर उस धन को ठिकाने लगाने का काम आपने किया।

यूपी में मछली दावत पर राजनीतिः राजभर बोले- प्याज-लहसुन नहीं तो वेज, अजय राय का जवाब- अब व्यवस्था बदल गई है

सावन में मछली दावत को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी बयानबाजी तेज हो गई। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर सवाल उठाए, जबकि अजय राय ने निषाद समाज की पारंपरिक आजीविका का हवाला देकर सफाई दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था में नदियों और बालू के ठेके बड़े कारोबारियों को मिल रहे हैं।सावन के महीने में मछली की दावत को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, अगर सावन के महीने में मछली की दावत होती है, तो यह हद से ज्यादा है। कांग्रेस जो चाहे करती है। कांग्रेस नेता हर चीज में माहिर हैं।अगर मछली में प्याज और लहसुन डाला गया है तो वह नॉन-वेज है, लेकिन बिना प्याज-लहसुन के बनाई गई मछली को वेज माना जा सकता है। कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि मछली को प्याज-लहसुन डालकर बनाया गया था या उसके बिना।

नदियों और तालाबों की जमीन पट्टे पर दी जाती थी वहीं, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मछली दावत को लेकर सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने अयोध्या में भगवान राम से जुड़े धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन किया और हनुमानगढ़ी तथा राम मंदिर में पूजा-अर्चना की।इसके बाद वह निषाद समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।अजय राय ने कहा कि मछली पकड़ना, बेचना और खाना निषाद समाज की पारंपरिक आजीविका का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि निषाद समाज नदी से जुड़ा है और कांग्रेस शासन के दौरान इस समुदाय को सम्मान मिला तथा नदियों और तालाबों की जमीन पट्टे पर दी जाती थी।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मौजूदा सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि व्यवस्था बदल गई है और गुजरात की बड़ी कंपनियों को भी नदियों और बालू के ठेकों में पट्टे मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि निषाद समाज के लोगों ने मछली तैयार की थी और उन्होंने समाज के लोगों के प्रेम व सम्मान के चलते कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुंबई में थमे ऑटो-टैक्सी के पहिएः ड्राइवरों का दर्द- 60 की उम्र में कैसे सीखें मराठी, रोजी-रोटी पर आया संकट

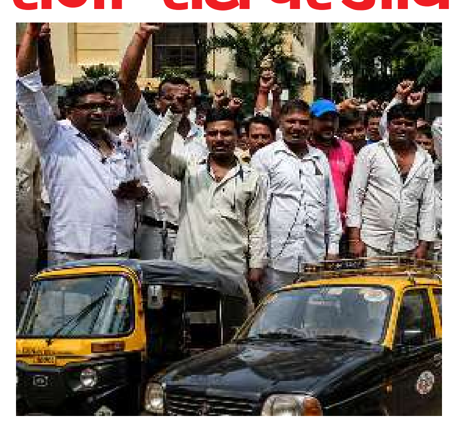

मणिपुर के सेनापति जिले में सोमवार को दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में एक CRPF जवान घायल हो गया, जबकि कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों ने सड़कें जाम कर दीं। पुलिस ने यह जानकारी दी। मणिपुर के सेनापति और कांगपोकपी जिलों में आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं से तनाव बढ़ गया है। सेनापति में दो समूहों के बीच गोलीबारी में एक CRPF जवान घायल हुआ, जिसकी हालत खतरे से बाहर है। कई घरों में आग लगाए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने ह॥-2 को जाम कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जबकि ताफोउ कुकी विलेज अथॉरिटी ने दोषियों की 24 घंटे के भीतर पहचान की मांग की है। कांगपोकपी में घर में लगाई गई आग- एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात करीब 2=30 बजे कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव में कुछ उपद्रवियों ने एक घर में आग लगा दी। आगजनी की इस घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया।सेनापति में कई घर आग के हवाले- अधिकारी के मुताबिक, कांगपोकपी में हुई आगजनी की घटना के बाद सुबह करीब 4 बजे सेनापति जिले के नगा ताफोउ इलाके में कई घरों को जला दिया गया। इसके बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।दो गुटों के बीच गोलीबारी में CRPF जवान घायल- अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 9=20 बजे ताफोउ नगा इलाके में दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें एक CRPF जवान घायल हो गया। उसे सेनापति जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। आगजनी के विरोध में सड़क पर उतरे लोग- सेनापति में हुई आगजनी की घटनाओं के विरोध में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग सेनापति गेट पर जमा हुए और राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर लकड़ियां तथा टायर जलाकर सड़क जाम कर दी। इसके कारण इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई- अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। दोषियों की पहचान की मांग- ताफोउ कुकी विलेज अथॉरिटी ने एक बयान जारी कर संपत्ति के नुकसान की कड़ी निंदा की है। प्राधिकरण ने मांग की है कि घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान 24 घंटे के भीतर की जाए।2023 से जारी है जातीय संघर्ष- मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जारी जातीय संघर्ष में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

'लखनऊ हमारी कर्मभूमि': यूपी में भावुक हुए मुख्य निर्वाचन ज्ञानेश कुमार, बोले- यहीं से सीखा चुनौतियों से लड़ना

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लखनऊ दौरे पर अपने पुराने शिक्षण संस्थान पहुंचे। उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और बूथ स्तर के अधिकारियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने लखनऊ को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि यहीं से उन्हें अनुशासन और चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा मिली। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार अपने दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को लखनऊ पहुंचे। राजधानी आगमन के साथ ही वह अपने पुराने शिक्षण संस्थान कॉल्विन तालुकदार्स कॉलेज पहुंचे और छात्रों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता समझाते हुए बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की सराहना की और उन्हें लोकतंत्र की असली नींव करार दिया।मुख्य निर्वाचन आयुक्त काफी भावुक नजर आए- कॉल्विन तालुकदार्स कॉलेज परिसर में प्रवेश करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, लखनऊ से मेरा बहुत गहरा और पुराना नाता है। यहीं से शुरुआती पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं उच्च शिक्षा के लिए आगे गया था। लंबे समय बाद अपनी कर्मभूमि लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को संदेश देने आया हूं। मुझे ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन और विपरीत परिस्थितियों में चुनौतियों से लड़ने का हौसला मिला। जेन-जी% के सवाल पर साधी चुप्पी- कॉल्विन के विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान उन्होंने अपने दौर की यादें साझा कीं और चुनावी साक्षरता का संदेश दिया। हालांकि, संवाद के दौरान जब मीडिया व छात्रों की ओर से %जेन-जी% से जुड़े मुद्दों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने उस पर कोई टिप्पणी नहीं की और मौन साधते हुए आगे बढ़ गए। कॉल्विन तालुकदार्स कॉलेज के कार्यक्रम के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के लिए रवाना होंगे।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने घर में लगाई आग; CRPF जवान घायल

मणिपुर के सेनापति जिले में सोमवार को दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में एक CRPF जवान घायल हो गया, जबकि कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों ने सड़कें जाम कर दीं। पुलिस ने यह जानकारी दी। मणिपुर के सेनापति और कांगपोकपी जिलों में आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं से तनाव बढ़ गया है। सेनापति में दो समूहों के बीच गोलीबारी में एक CRPF जवान घायल हुआ, जिसकी हालत खतरे से बाहर है। कई घरों में आग लगाए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने ह॥-2 को जाम कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जबकि ताफोउ कुकी विलेज अथॉरिटी ने दोषियों की 24 घंटे के भीतर पहचान की मांग की है। कांगपोकपी में घर में लगाई गई आग- एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात करीब 2=30 बजे कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव में कुछ उपद्रवियों ने एक घर में आग लगा दी। आगजनी की इस घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया।सेनापति में कई घर आग के हवाले- अधिकारी के मुताबिक, कांगपोकपी में हुई आगजनी की घटना के बाद सुबह करीब 4 बजे सेनापति जिले के नगा ताफोउ इलाके में कई घरों को जला दिया गया। इसके बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।दो गुटों के बीच गोलीबारी में CRPF जवान घायल- अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 9=20 बजे ताफोउ नगा इलाके में दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई

अठावले बोले- आरक्षण खत्म करने की मांग करने वालों पर राजद्रोह का मामला दर्ज हो

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के प्रमुख रामदास अठावले ने रविवार को आरक्षण का विरोध करने वालों पर राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने आरक्षण को सांविधानिक अधिकार बताया। अठावले ने कहा कि आरक्षण विरोधी प्रदर्शनों ने इस मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आरक्षण प्रणाली में बदलाव या उसे हटाने के अभियानों का भी आरोप लगाया। अठावले के अनुसार, आरक्षण का विरोध संविधान का विरोध है। उन्होंने जोर दिया कि आरक्षण को समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक सांविधानिक अधिकार है। इधर, दिल्ली पुलिस ने रविवार को जंतर मंतर पर आरक्षण सुधारों को लेकर किसी भी प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी। पुलिस ने भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर लोगों को वहां इकट्ठा न होने की चेतावनी दी। जंतर मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जाति-आधारित आरक्षण के खिलाफ नारे लगाते हुए जमा हुए थे। प्रदर्शनकारी सरकारी सहायता और आरक्षण के लिए जाति के बजाय आर्थिक मानदंडों को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे थे।

संपादकीय Editorial

How will trust be restored?

Competitive examinations in India are not merely evaluations of questions and answers. They involve years of hard work, time, money, family expectations, and future plans of millions of students. Therefore, when serious questions arise about the quality of a question paper in a national-level examination, necessitating a re-examination, it is not appropriate to simply dismiss it as an administrative error and move on. This raises the issue of the credibility and accountability of the entire examination system.

The decision to re-conduct the UGC-NET June 2026 examination in English, Commerce, and Sociology highlights this concern. A large number of candidates had complained about the question papers in these three subjects. After investigation, issues such as factual errors, typographical errors, translation problems, grammatical deficiencies, mistakes in the names of scholars and books, and repetition of previously asked questions were revealed. Due to these deficiencies, the decision to re-conduct the examinations in the respective subjects was made. This decision is justified in the immediate context, as declaring results based on a flawed question paper would be unfair to the students. But the real question goes beyond this:

how did such errors get into such an important question paper? Recent news and available information have raised questions about the Supreme Court's strictness regarding the NEET-UG question paper controversy and the need to strengthen, secure, and make the National Testing Agency's examination system more transparent. The crucial question is whether the current system is sufficiently robust and accountable to conduct examinations that jeopardize the future of millions of young people in the country.

When examination reforms are often discussed, there are talks about preventing question paper leaks, increasing surveillance at examination centers, safe transportation of question papers, and strict security arrangements.

All these measures are necessary, but a crucial question often gets left out: is the question paper itself accurate and of high quality? If a question misspells a scholar's name, a book title is incorrect, a factual error is present, a translation alters the meaning of a question, or a grammatical error makes a question ambiguous, how can a student's ability be assessed fairly? Therefore, two crucial pillars of examination credibility are the security of the question paper and the academic quality of the question paper.

As important as it is to ensure that question papers do not leave the examination center, it is equally important that the question papers that reach the examination center are factually correct, linguistically clear, syllabus-compliant, and balanced.

There is also discussion about the need for a national-level examination body to learn from the Union Public Service Commission's methodology. This does not mean that the examinations of both institutions are completely identical. The learning point lies in their institutional credibility and process strength.

Truth lies within us; conquering our minds is the only true path.

The truth and peace we seek in the external world always have a subtle hint of a silent presence deep within our being. We just need to find it. I traveled to all the countries of the world. I witnessed the hustle and bustle of metropolises, spent time in the silence of ancient temples, and experienced the silence of deserts and the heights of mountains. I questioned scholars, sat at the feet of sages, and listened to the teachings of mystics. Underlying all of this was a single question: Where is truth? Humanity's oldest and deepest aspiration has been the search for truth. From birth to death, it continues to be sought in one form or another. Some seek it in religion, some in science, some in love, some in power, and some in knowledge. I, too, was a traveler on that quest. For a long time, I believed that truth was hidden somewhere out there. I believed there must be a special place, an ashram, where this secret would be revealed. This belief led me astray. But gradually, a strange fact began to dawn on me. The people I saw true peace in weren't due to any external achievement. The serenity in their eyes wasn't derived from the world. They weren't content with possessing anything, but rather, they were content with being mastersof themselves. Most people believe that if they acquire enough wealth, honor, knowledge, or experience, they will find the truth we seek. The external world is changeable. What brings us joy today may leave us indifferent tomorrow. Desires and circumstances change constantly. If truth were dependent on all this, it would be equally unstable, but the nature of truth cannot be unstable. This is where a new door opened to my understanding. I realized that a subtle hint of the truth and peace I was searching for in the external world had been within me all along. It was a silent presence deep within my being. The problem was that my attention was wandering in every direction except where it actually existed. The human condition is like someone searching all over the house for something in their pocket. Then, suddenly, they realize that what they were looking for was right there with them. When I asked the great sages of India where truth lies, their answers varied, but pointed in the same direction. The inner journey demands courage. The person who accepts this courageous journey gradually makes a remarkable discovery. They find that their thoughts change, but they themselves are not thoughts. Their body changes with time, but the core of their consciousness remains, and within that core exists a peace that does not depend on circumstances. This is the point where the first glimpse of truth is found. Conquer your mind. Wealth, honor, knowledge, and circumstances change, but the peace within inner consciousness remains constant. The essence of life lies not in achieving achievements, but in oneself and conquering the mind. Only when we stop comparing ourselves to others, chasing desires, and expecting satisfaction from the outside world can we experience the silent presence within.

Politics and Policy: Madhya Pradesh's Rising Status in Delhi

Eight leaders from Madhya Pradesh have been given important responsibilities in the BJP's new national team. Lal Singh Arya, Gajendra Patel, Kavita Patidar, VD Sharma, Banshilal Gurjar, and others have been appointed key positions. At the administrative level, Dipti Gaur Mukherjee has been appointed Secretary of Higher Education, and Anurag Jain has been appointed CEO of NITI Aayog. Significant political and administrative changes have recently taken place in the national capital, Delhi. BJP National President Nitin Naveen has significantly increased the importance of Madhya Pradesh by including eight individuals from Madhya Pradesh in his new team. Among these eight, Lal Singh Arya has been appointed Vice President, Gajendra Patel General Secretary, Kavita Patidar Minister, VD Sharma Cell Cluster Coordinator, Banshilal Gurjar National President of the Kisan Morcha, and Ashish Usha Agarwal National Media Co-ordinator. Nitin also includes two other leaders from Madhya Pradesh in his national team. These are Tarun Chugh, the National Office Incharge (though he hails from Punjab, he is currently a Rajya Sabha member from Madhya Pradesh) and Pradeep Bhandari from Indore, who has been appointed National Media Co-ordinator. Similarly, Madhya Pradesh's administrative status has also increased at the Centre. Following the NEET exam controversy, all eyes are on the Higher Education Department, and the responsibility for this department has been assigned to Deepti Gaur Mukherjee, a 1993-batch IAS officer from the Madhya Pradesh cadre. She has been appointed Secretary of this department. Former Chief Secretary Anurag Jain, a 1989-batch IAS officer from the Madhya Pradesh cadre, has also recently been appointed CEO of the NITI Aayog. Two responsibilities simultaneously after retirement - This is perhaps the first instance in Madhya Pradesh's administrative history where a former IAS officer is assuming two important responsibilities simultaneously after retirement. We are talking about Sanjay Gupta, a 2007-batch IAS officer. He is currently the Chairman of the Cooperative Tribunal, having held this position for only three or four months. The state government has also appointed him a member of the MP RERA. This poses the question of whether he should continue in his current position or become a RERA member. The condition for both positions is that he will remain in office until the age of 65. It has been learned that the Chief Minister appointed Sanjay Gupta as a RERA member after being impressed by his work ethic. It is believed that he will likely prove more useful here. It will be interesting to see whether Sanjay Gupta remains on the Cooperative Tribunal or joins RERA as a member. While the newly appointed RERA Chairman, former senior IAS officer Shailendra Singh, and the administrative member of the Appellate Authority, former IAS officer Ravindra Singh, have assumed their positions at RERA, Sanjay Gupta has not yet assumed his duties. Bhopal's growing reputation: Somendu Bagchi, a 1993 batch Indian Foreign Service officer, was recently appointed by the central government as India's ambassador to Switzerland. Bagchi hails from Madhya Pradesh. His father, the late B.K. Bagchi, was a well-known official in the Madhya Pradesh Tourism Department. Sanjay Jaju, a 1992-batch IAS officer, is currently the Chief Secretary of Telangana. Prabhakar Raghavan, a native of Bhopal, is currently the Vice President of Google. Former RBI Governor Raghuram Rajan, former Chief Secretary of the state Parshuram, Brigadier Somesh Seth, and BHEL Executive Director Pradeep Upadhyay also studied in Bhopal. Rewa Collector Sets a New Example - Rewa District Collector Narendra Suryavanshi set a new example on the occasion of Independence Day, August 15th. Instead of hoisting the flag himself in the Collector's office, he had his stenographer perform this national task. Collector Suryavanshi believes that everyone should have the opportunity to experience these moments of pride. This initiative by Narendra Suryavanshi, a 2012-batch IAS officer, is receiving widespread praise. Discussion of officers splitting into two groups - For the first time in Bhopal's Van Bhawan, there is widespread discussion about the officers appearing to be divided into two groups. According to sources, the two factions of the Tea Party are beginning to drift apart. It remains to be seen whether this factionalism escalates or whether reconciliation occurs in the coming days.

सावन का आखिरी सोमवार : शिवालयों में आस्था के जल से हुआ भोलेनाथ का अभिषेक, गूंजा हर हर महादेव का जयघोष

हरिद्वार व ब्रजघाट से गंगाजल लाकर कांवड़ियों ने भी शिव का अभिषेक किया

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद में सावन के आखिरी सोमवार को शिवालयों में आस्था के जल से भक्तों ने भोलेनाथ का अभिषेक किया। मंदिर में भारी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंध रहा। इसके अलावा भक्तों ने बाबा का जयकारा लगाते हुए दर्शन पूजन किया। सावन के चौथे और आखिरी सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।वही, हरिद्वार और ब्रजघाट से गंगाजल लाकर कांवड़ियों ने भी शिव का अभिषेक किया। इस दौरान शिवालयों में हर हर महादेव का जयघोष गूंजता रहा।सावन के आखिरी सोमवार को महानगर के 84 घंटा, सीताराम मंदिर, श्री ऋणमुक्तेश्वर शिव मंदिर, नया मुरादाबाद स्थित श्री महाकालेश्वर धाम मंदिर, हरथला व आशियाना स्थित शिव मंदिरों व अन्य शिवालयों में भक्तों ने विधि विधान से पूजा अर्चना परिवार की सुख समृद्धि मांगी। शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा अर्चना का क्रम दोपहर बाद तक चलता रहा।वहीं बहुत से भक्तों ने रुद्राभिषेक भी कराया।

बेटी को मच्छर ने काटा... पिता ने डीएम से कर दी स्कूल की शिकायत

एक अभिभावक ने डीएम को ई-मेल भेजकर शिकायत की कि उनकी एलकेजी में पढ़ने वाली बेटी को स्कूल में बार-बार मच्छर काट रहे हैं। पहली घटना के बाद स्कूल डायरी में शिकायत करने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और बच्ची को दोबारा मच्छर ने काट लिया। उन्होंने मच्छर जनित बीमारियों के खतरे का हवाला देते हुए स्कूल में स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की।स्कूल समय में एलकेजी की छात्रा को मच्छर के काटने पर उसके पिता ने डीएम को ई-मेल भेज कर शिकायत की है। शिकायतकर्ता का कहना है कि बार-बार उसकी बेटी को मच्छर काट रहे हैं। स्कूल को बताने के बाद भी सुनवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि जब वह पूरी फीस देते हैं तो स्कूल प्रबंधन बच्चों को स्वच्छ माहौल क्यों नहीं दे पा रहा है। डीआईओएस का कहना है कि डीपीआरओ को पत्र भेजकर जिले के सभी स्कूलों में फॉगिंग करवाए जाने के लिए कहा जाएगा।अमेटी विश्वविद्यालय नोएडा के असि. प्रोफेसर द्वितीय डॉ. सोनू सिंह ने 19 अगस्त को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया को भेजे ई-मेल में कहा कि उनकी बेटी एलकेजी की छात्रा है।चूंकि वह

स्वयं आठ वर्षों तक अमेरिका में न्यूरोसाइंटिस्ट के तौर पर काम कर चुके हैं, इसलिए मच्छर जनित रोगों की गंभीरता और बार-बार मच्छरों के संपर्क में आने से जुड़े संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को भलीभांति समझते हैं।

उनका कहना है कि जब पहली बार बेटी को स्कूल में मच्छर ने काटा था तो इसकी शिकायत स्कूल डायरी में विद्यालय प्रशासन से की थी, इसके बावजूद स्कूल की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। इसके बाद बेटी को दोबारा मच्छर ने काट लिया।

डीएम को मच्छर के काटने से बने निशान की तस्वीरें भेजते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थिति मामूली असुविधा नहीं है। मच्छरों के संपर्क में आने से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य मच्छर जनित संक्रमण हो सकते हैं, खासकर जब बच्चे लगातार ऐसे वातावरण में रहते हैं जहां मच्छर नियंत्रण के उपाय स्पष्ट रूप से लागू नहीं किए जा रहे हैं।

डीएम से की गई शिकायत में कहा गया है कि अभिभावक होने के नाते हम अपने बच्चों को विद्यालय के भरोसे छोड़ते हैं और यह आशा करते हैं कि विद्यालय उन्हें स्कूल के समय के दौरान एक सुरक्षित, स्वच्छ और उचित रूप से संरक्षित वातावरण प्रदान करेगा।

हम निर्धारित विद्यालय शुल्क का पूर्ण भुगतान करते हैं और विद्यालय प्रबंधन से अपेक्षा करते हैं कि वह हमारे बच्चों की सुरक्षा और कल्याण के प्रति अपनी उचित जिम्मेदारी निभाए। इसलिए यह बेहद निराशाजनक और दुखद है कि इस मामले को पहले ही स्कूल के ध्यान में लाए जाने के बावजूद समस्या स्पष्ट रूप से जारी है।मच्छरों की समस्या किसी भी स्कूल में नहीं होनी चाहिए। इसके लिए डीपीआरओ को पत्र भेजकर जनपद के सभी स्कूलों में फॉगिंग करवाए जाने का अनुरोध किया जाएगा, ताकि संचारी रोग पर नियंत्रण लग सके। रितु तोमर, जिला विद्यालय निरीक्षक

IAS आंजनेय कुमार सिंह छोड़ गए बेबाक और निर्भीक कार्यशैली की छाप, आजम खां से चर्चा में आए... अब छुट्टी

मुरादाबाद मंडल को संगीता सिंह के रूप में नई कमिश्नर मिल गई हैं, जिससे आंजनेय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया।आंजनेय कुमार सिंह का साढ़े पांच साल का कार्यकाल समाप्त।

संगीता सिंह बनीं मुरादाबाद मंडल की नई कमिश्नर। 14 अगस्त के बाद से कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति को लेकर चल रही अटकलों पर रविवार रात विराम लग गया। संगीता सिंह के रूप में मुरादाबाद मंडल को नई कमिश्नर मिल गईं। आंजनेय कुमार सिंह का बीते साल सातवीं बार कार्यकाल बढ़ा था, जिसकी अंतिम तिथि 14 अगस्त की थी। 14 अगस्त तक काम कर वह छुट्टी पर चले गए थे।

आंजनेय कुमार सिंह, बतौर कमिश्नर अपने साढ़े पांच साल के कार्यकाल में वह बेबाक और निर्भीक कार्यशैली की छाप छोड़ गए। उन्होंने कभी दबाव नहीं माना। विकास कार्य और फरियादियों की सुनवाई उनकी हमेशा पहली प्राथमिकता रही।

कौन हैं आंजनेय कुमार सिंह?- कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह 2005 बैच के सिक्किम कैडर के आईएएस अफसर हैं। सिक्किम कैडर से प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर उन्हें लाया गया था। प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर आने के बाद वह फतेहपुर, बुलंदशहर व मुरादाबाद मंडल के ही रामपुर जनपद के डीएम बनेपांच साल की प्रतिनियुक्ति पर प्रदेश आए कमिश्नर का बतौर रामपुर डीएम रहते साल 2020 में पहली बार एक साल की प्रतिनियुक्ति बढ़ी। फिर वह छह मार्च 2021 को मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर बने। साल 2021 में दूसरी बार एक साल के लिए फिर प्रतिनियुक्ति बढ़ी।

2022 में तीसरी व 2023 में चौथी बार प्रतिनियुक्ति बढ़ाई गई। साल 2024 में छह-छह माह के लिए दो बार प्रतिनियुक्ति बढ़ी।

लगातार छह बार प्रतिनियुक्ति बढ़ने के बाद के बाद 2025 में सातवीं बार 14 अगस्त 2026 तक प्रतिनियुक्ति बढ़ी, जो प्रशासनिक नियमों में दुर्लभ मिसाल बना। कार्यकाल में कोरोना महामारी के दौरान मंडल के जनपदों में उनके नेतृत्व में किए गए कार्यों, विकास कार्यों, फरियादियों की सुलभ जनसुनवाई ने नजीर पेश की।

मंडल के गजेटियर से लेकर जिला और ग्राम्य गजेटियर ने उनके विजन को दर्शया।

उनके नेतृत्व में ही इस साल बुद्धि विहार स्थित गांधी मैदान में राष्ट्रीय स्तर के उदीषा साहित्योउत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रशासनिक कार्यकुशलता के साथ-साथ उन्होंने शानदार व्यक्तित्व की छवि मुरादाबाद मंडल के लोगों में छोड़ी। कमिश्नरी की कुर्सी की ताकत से मंडलवासी रूबरू हुए। कुल मिलाकर आंजनेय बतौर कमिश्नर लंबी लकीर खींच गए।

सर्वाधिक साढ़े पांच साल एक ही कमिश्नरी के कमिश्नर का रिकार्ड-कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने छह मार्च 2021 को मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर के रूप में कार्यभार गृहण किया था।

मतलब करीब साढ़े पांच से वह मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर रहें। इस रिकार्ड के साथ वह पहले ऐसे आईएएस अफसर बनें जिन्होंने एक ही कमिश्नरी में बतौर कमिश्नर इतनी लंबी सेवाएं दीं। प्रदेश में अन्य किसी सीनियर आईएएस अफसर के खाते में यह रिकार्ड नहीं है।

आजम खां से चर्चा में आए, उन्हीं की कोर्ट में पहुंचा जौहर विश्वविद्यालय का मामला

कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह रामपुर के डीएम रहे। इसी दौरान सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां पर कार्रवाई से वह चर्चा में आए। आजम खां के ही रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश प्रकरण की उनके ही कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मतलब विश्वविद्यालय का भाग्य भी उन पर आकर टिका, लेकिन अब नवागत कमिश्नर पर सभी की निगाहें हैं।

2009 बैच की आईएएस अफसर हैं नवागत कमिश्नर- मूलरूप से इटावा की रहने वाली संगीता सिंह 2009 बैच की आईएएस अधिकरी हैं। मुरादाबाद स्थानांतरण से पहले वह जनवरी 2025 से अलीगढ़ की मंडलायुक्त रहीं। इससे पूर्व वह सुल्तानपुर में बतौर जिलाधिकारी प्रशासनिक सेवाएं दे चुकी हैं। 'आयुष्मान भारत- जन आरोग्य योजना' में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर कार्यरत रही हैं।

यूपी में 17 IAS अधिकारियों का बड़ा फेरबदल, अलीगढ़-मुरादाबाद मंडलायुक्त बदले; कई विभागों में नई जिम्मेदारियां

त्तर प्रदेश सरकार ने देर रात प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 17 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। मंडलायुक्त से लेकर राजस्व परिषद, ग्रामीण विकास, आयुष, शहरी विकास और योजना विभाग तक कई अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं।उत्तर प्रदेश में देर रात एक बार फिर बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने 17 आईएएस अधिकारियों के तबादले करते हुए कई महत्वपूर्ण पदों पर नई तैनाती की है। इस बदलाव में मंडलायुक्त स्तर के अधिकारियों के साथ-साथ राजस्व परिषद, ग्रामीण विकास, आयुष, शहरी विकास, योजना और अन्य विभागों में भी जिम्मेदारियां बदली गई हैं। अलीगढ़ और मुरादाबाद में बदले मंडलायुक्त- प्रशासनिक फेरबदल में सबसे अहम बदलाव अलीगढ़ और मुरादाबाद मंडल में हुआ है। अलीगढ़ की मंडलायुक्त संगीता सिंह को अब मुरादाबाद मंडल का नया मंडलायुक्त बनाया गया है। वह अंजनेय कुमार सिंह की जगह लेंगी।अंजनेय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति 14 अगस्त को समाप्त हो गई थी। प्रतिनियुक्ति पूरी होने के बाद उन्हें उनके मूल कैडर सिक्किम वापस भेज दिया गया है। वहीं, प्रयागराज स्थित राजस्व परिषद में सदस्य (न्यायिक) के पद पर तैनात ओम प्रकाश आर्य को अलीगढ़ का नया मंडलायुक्त नियुक्त किया गया है। आयुष और ग्रामीण विकास विभाग में भी बड़ा बदलाव- सरकार ने आयुष और ग्रामीण विकास विभाग में भी महत्वपूर्ण फेरबदल किया है। ग्रामीण विकास आयुक्त और ग्रामीण विकास विभाग के सचिव गौरी शंकर प्रियदर्शी को आयुष विभाग का महानिदेशक बनाया गया है। उन्हें राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश के मिशन निदेशक की जिम्मेदारी भी दी गई है। समाज कल्याण विभाग के सचिव प्रमोद कुमार उपाध्याय को उत्तर प्रदेश का ग्रामीण विकास आयुक्त नियुक्त किया गया है। रवींद्र कुमार को शहरी विकास विभाग की जिम्मेदारी- रवींद्र कुमार को शहरी विकास विभाग का सचिव बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश जल निगम (शहरी) के प्रबंध निदेशक और अमृत (अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) के राज्य मिशन निदेशक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। योजना विभाग में डॉ. राज शेखर की तैनाती- उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक रहे डॉ. राज शेखर को योजना विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार को उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद हादसा: पति संग मंदिर जा रही महिला हाईवे पर बाइक से गिरी, पीछे से आए वाहन ने कुचला

पति के साथ मंदिर जा रही एक महिला मुरादाबाद में दिल्ली-ल ख न ऊ नेशनल हाईवे पर चलती बाइक से गिर गई। पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।मूंढापांडे क्षेत्र दिल्ली-ल ख न ऊ नेशनल हाईवे पर सोमवार को सुबह पति के साथ मंदिर जा रही महिला गीता चलती बाइक से गिर गई। पीछे से आए वाहन ने हाईवे पर गिरी पड़ी महिला को कुचल दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन को लेकर फरार हो गया। गांव नबाबपुरा निवासी अंकित सोमवार को सुबह पत्नी गीता और बहन के साथ बाइक से रामपुर के पंजाबनगर स्थित शिव मंदिर जा रहे थे। तीनों जैसे ही सुबह करीब आठ बजे नेशनल हाईवे पर कोसी पुल के पास पहुंचे तो बाइक पर पीछे बैठी गीता अचानक गिर पड़ी। तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने गीता को कुचल दिया। मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुरादाबाद में फिर पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ: कांठ के सलेमपुर में ग्रामीणों ने ली राहत की सांस, अब तक 9 का रेस्क्यू

मुरादाबाद के कांठ क्षेत्र के सलेमपुर गांव में वन विभाग ने एक तेंदुए को पिंजरे में पकड़ा, जिससे ग्रामीणों ने राहत महसूस की। यह मुरादाबाद रेंज में 3 अगस्त से अब तक पकड़ा गया नौवां तेंदुआ है।तेंदुआ प्रभावित कांठ क्षेत्र में वन विभाग को सोमवार को सफलता मिली। सलेमपुर गांव में लगाए गए ट्रैप केज (पिंजरे) में एक तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुआ पिंजरे में कैद होने की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा इंतजामों के बीच उसे कब्जे में लिया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। डीएफओ डा. विनय कुमार सिंह ने बताया कि सलेमपुर गांव में तेंदुए की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही थी। तेंदुए को पकड़ने के लिए ट्रैप केज लगाया गया था। सोमवार को तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कार्रवाई शुरू की। तेंदुए की मौजूदगी से गांव और आसपास के ग्रामीणों में काफी समय से दहशत थी। खेतों की ओर जाने वाले ग्रामीण विशेष सावधानी बरत रहे थे। वन विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्र में लगातार निगरानी और गश्त कर रही है।सलेमपुर में तेंदुआ पकड़े जाने के बाद मुरादाबाद रेंज में अब तक नौ तेंदुओं को रेस्क्यू किया जा चुका है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और तेंदुआ दिखाई देने पर भीड़ न लगाने की अपील की है।

21 साल बाद बदला गांव का नक्शा- 6.8 हेक्टेयर से सीधे 69 हेक्टेयर हुई ग्राम समाज की जमीन

मुरादाबाद के रसूलपुर नगली में 21 साल बाद चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई, जिससे ग्राम समाज की जमीन 6.8 हेक्टेयर से बढ़कर 69 हेक्टेयर हो गई। इस प्रक्रिया में नदी, चकरोड और सार्वजनिक उपयोग की भूमि का नए सिरे से अभिलेखन किया गया, जिससे अभिलेखों में 62.321 हेक्टेयर की वृद्धि दर्ज हुई।तहसील मुरादाबाद के ग्राम रसूलपुर नगली में 21 साल से चल रही चकबंदी प्रक्रिया आखिरकार पूरी हो गई। चकबंदी पूरी होने के बाद ग्राम समाज की जमीन के अभिलेखों में बड़ा बदलाव सामने आया है। वर्ष 2005 में चकबंदी में शामिल हुए गांव में आधार वर्ष खतौनी के अनुसार ग्राम समाज की कुल भूमि 6.8430 हेक्टेयर दर्ज थी। प्रक्रिया के दौरान विभिन्न मदों की जमीन का नए सिरे से सत्यापन और अभिलेखीकरण किया गया। इसके बाद ग्राम समाज की विभिन्न मदों में कुल 69.1640 हेक्टेयर भूमि दर्ज की गई है। यानी आधार वर्ष के मुकाबले अभिलेखों में 62.3210 हेक्टेयर की वृद्धि दर्ज हुई है।चकबंदी के दौरान गलत इंद्राजों को निरस्त कर श्रेणी-6 की सभी मदों का क्षेत्रफल 1359 फसली खतौनी के अनुसार मूल मद में दर्ज किया गया। साथ ही गांव की आवश्यकताओं को देखते हुए कब्रिस्तान, श्मशान आदि सार्वजनिक उपयोग की भूमि सुरक्षित की गई। ग्राम समाज की कुल भूमि 69.1640 हेक्टेयर दर्ज हुई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हरिति पब्लिक स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने जाट रेजिमेंट सेंटर में पूरा किया शूटिंग प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी- हरिति पब्लिक स्कूल के एनसीसी द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं का विशेष प्रशिक्षण शिविर जाट रेजिमेंट सेंटर, बरेली कैंट में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के दौरान विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने शूटिंग (निशानेबाजी) का व्यावहारिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया एनसीसी सेकेंड ऑफिसर डॉ. दिशा चौधरी के कुशल नेतृत्व में कैडेट्स ने शूटिंग प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स को निशानेबाजी के साथ-साथ अनुशासन, एकाग्रता और जिम्मेदारी का महत्व भी समझाया गया।
इस अवसर पर कर्नल होशियार सिंह तथा एडम ऑफिसर (सेवा मेडल) संजय नायर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कैडेट्स के अनुशासन और शूटिंग कौशल की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। अधिकारियों ने कैडेट्स को प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन एवं एकाग्रता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।
कैडेट्स द्वारा शूटिंग प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किए जाने पर हरिति पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य सौभाग्य चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सभी कैडेट्स एवं एनसीसी टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे कांवड़िये को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर घायल, कांवड़ खंडित

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। हरिद्वार से गंगाजल लेकर पैदल अपने गांव लौट रहे कांवड़ियों के जत्थे में शामिल एक कांवड़िये को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में कांवड़िया गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा, उसका गंगाजल सड़क पर बिखर गया और कांवड़ खंडित हो गई। घायल को साथ चल रहे अन्य कांवड़ियों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी बाइक सवार को बाइक समेत हिरासत में ले लिया है।थाना क्षेत्र के गांव टिटोली से 14 अगस्त को करीब 25 कांवड़ियों का एक जत्था हरिद्वार के लिए रवाना हुआ था। जत्थे में शामिल कांवड़िये हरिद्वार पहुंचने के बाद वहां दो दिन रुके। इसके बाद सोमवार को सभी कांवड़ियों ने गंगाजल भरकर पैदल अपने गांव टिटोली के लिए वापसी शुरू की। बताया गया कि शुक्रवार की शाम कांवड़ियों का जत्था फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में पट्टी पेट्रोल पंप के पास पहुंचा। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार ने जत्थे में शामिल वेद प्रकाश को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वेद प्रकाश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के दौरान वेद प्रकाश की कांवड़ भी खंडित हो गई और उसमें रखा गंगाजल सड़क पर बिखर गया। घटना के बाद साथ चल रहे अन्य कांवड़िये तुरंत उसकी मदद के लिए पहुंचे और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार को बाइक सहित कब्जे में ले लिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शिव मंदिर से मूर्तियां उखाड़कर फेंकी, घरों के बाहर बिखरी मिलीं अस्थियां

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। में सावन के चौथे सोमवार को बरेली के बीथम नौगवां गांव के 57 साल पुराने शिव मंदिर से किसी ने मूर्तियां उखाड़कर फेंक दीं। यही नहीं, श्मशान से अस्थियां उठाकर कई घरों के बाहर फेंक दीं। सुबह होने पर लोगों को इसकी जानकारी हुई तो इसे सनातनियों की भावनाओं से खिलवाड़ और गंभीर साजिश बताते हुए खूब हंगामा हुआ। लोगों ने इस मामले में पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते खबर जिला मुख्यालय तक पहुंच गई. आनन फानन में पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

SC/ST व OBC युवाओं के लिए सुनहरा मौका, ब्यूटी पार्लर-दर्जी ट्रेड में मिलेगा चार माह का प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवक-युवतियों को चार माह का सामूहिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण ब्यूटी पार्लर एवं दर्जी ट्रेड में कराया जाएगा। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 45 वर्ष तथा न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ पास होना आवश्यक है। आवेदक बरेली जिले का निवासी होना चाहिए। चयन साक्षात्कार के माध्यम से होगा, जिसमें 33 प्रतिशत महिलाओं एवं 4 प्रतिशत दिव्यांगजनों का चयन अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति व शैक्षिक प्रमाण पत्र, फोटो, मोबाइल नंबर एवं हस्ताक्षर सहित www.msme.up.gov.in पर 10 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जल लेने जा रहे कांवड़िए की सड़क हादसे में मौत, पत्नी-बेटे का रो-रोकर बुरा हाल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान भमोरा थाना क्षेत्र में रविवार रात दर्दनाक सड़क हादसे में गंगाजल लेने कछला जा रहे 36 वर्षीय कांवड़िए पंकज की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार और जत्थे में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पंकज बिथरी चैनपुर क्षेत्र के रामचंद्रपुर मानपुर गांव का रहने वाला था। वह करीब 30 कांवड़ियों के जत्थे के साथ बाइक से कछला जा रहा था। सरदार नगर पुल के पास उसकी बाइक हादसे का शिकार हो गई। आशंका है कि बाइक डिवाइडर से टकराई या किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पंकज खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी पत्नी रीना और एक बेटा है। पति की मौत से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में शोक की लहर है।

श्रावण के अंतिम सोमवार पर अलखनाथ मंदिर पहुंचे डीएम, पूजा-अर्चना के साथ परखी व्यवस्थाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्रावण मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अलखनाथ मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।
जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मंदिर परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं।
डीएम ने कहा कि मंदिर परिसर में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। पेयजल समेत आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाए। किसी भी समस्या की जानकारी मिलते ही उसका तत्काल समाधान कराया जाए।
श्रावण के अंतिम सोमवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरती। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नगर अविनाश त्रिपाठी, अपर नगर मजिस्ट्रेट आलोक कुमार सहित संबंधित अधिकारी, मंदिर के पुजारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

खेलो इंडिया संवाद में खेल, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण पर युवाओं से होगा संवाद

27 अगस्त को रुहेलखंड विश्वविद्यालय में, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे वर्चुअल संबोधन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त को सुबह 11 बजे महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात पीएम के साथ' कार्यक्रम आयोजित होगा। सोमवार को माय भारत कार्यालय में उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन होगा, जिसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके बाद स्थानीय खिलाड़ियों, युवा आइकॉन और युवाओं के बीच खेल, फिटनेस, कौशल विकास व राष्ट्र निर्माण पर संवाद होगा। युवा संवाद में नागरिक जिम्मेदारी, भविष्य के लिए कौशल, स्वयंसेवा और माय भारत मंच को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर युवाओं के सुझाव लिए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर माय भारत पंजीकरण अभियान के साथ सुझाव देने के लिए क्यूआर कोड की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

सावन के आखिरी सोमवार पर गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे, सात नाथ मंदिरों में हुआ जलाभिषेक

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सावन के आखिरी सोमवार पर जय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों परशुराम सैनिकों ने सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर से सात नाथ मंदिरों की भव्य परिक्रमा की। पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने भगवा ध्वज दिखाकर परिक्रमा का शुभारंभ किया।
परशुराम सैनिकों ने मणिनाथ, तपेश्वरनाथ, धोपेश्वरनाथ, पशुपतिनाथ, बनखंडीनाथ, टीबरीनाथ और अलखनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से जलाभिषेक किया। जगह-जगह श्रद्धालुओं व विभिन्न संगठनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और जलपान की व्यवस्था की। अलखनाथ मंदिर में भव्य आरती के बाद प्रसाद वितरण के साथ परिक्रमा का समापन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता ने आयोजन को सफल, सुगम एवं सुरक्षित कराने के लिए पुलिस प्रशासन का आभार जताया। परिक्रमा में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष माला गुप्ता, राष्ट्रीय महासचिव अमित गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट जयपाल कश्यप, जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, महानगर अध्यक्ष आशीष सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरेली में तीन बदमाश छह माह के लिए जिले से बाहर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रदेश सरकार की अपराध के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जिला मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह ने उ.प्र. गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत अगस्त 2026 में तीन अभियुक्तों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें छह माह के लिए जिला बदर कर दिया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त तत्वों में खलबली मची हुई है। जिला बदर किए गए अभियुक्तों में तौकीब पुत्र सद्दीक, निवासी ग्राम परतापुर चौधरी, थाना इज्जतनगर शामिल है। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में 08 अभियोग दर्ज हैं। इसी प्रकार अजय पुत्र शिवदयाल पटेल, निवासी कलारी, थाना इज्जतनगर को भी छह माह के लिए जिला बदर किया गया है। उसके विरुद्ध 04 अभियोग दर्ज हैं। वहीं नेत्रपाल यादव पुत्र राम विलास, निवासी मुड़िया अहमदनगर, थाना इज्जतनगर को भी उ.प्र. गुण्डा अधिनियम की धारा-3(1) के तहत छह माह के लिए जिला बदर किया गया है। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में 08 अभियोग दर्ज हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अपराधियों पर लगातार कार्रवाई कर जनपद में भयमुक्त एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने को प्राथमिकता दी जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला महाजनान, वार्ड संख्या-24, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या 109/321 जो वर्तमान अभिलेखों में श्री मोहम्मद इरफान, मोहम्मद उसमान एवं मोहम्मद मेहरवान पुत्रगण श्री गुलाम साबिर, निवासी मोहल्ला महाजनान, तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है।
उक्त भवन के संबंध में श्री मोहम्मद मेहरवान पुत्र श्री गुलाम साबिर, निवासी मोहल्ला महाजनान, तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद द्वारा उक्त भवन के नाम परिवर्तन के संबंध में दिनांक 22 जुलाई 2026 को इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रार्थना-पत्र के साथ दान पत्र की छायाप्रति भी संलग्न कर प्रस्तुत की गई है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	109/321	महाजनान	श्री मोहम्मद इरफान, मोहम्मद उसमान एवं मोहम्मद मेहरवान पुत्रगण श्री गुलाम साबिर	श्री मोहम्मद मेहरवान पुत्र श्री गुलाम साबिर

उपरोक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद, बिलारी
(मुरादाबाद)

साहित्यकार उर्मिलेश शंखधार की जयंती पर सजी साहित्य की महफिल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सुप्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार डॉ. उर्मिलेश कुमार शंखधार की 75वीं जयंती के उपलक्ष्य में शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को 'डॉ. उर्मिलेश कुमार शंखधार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उनके जीवन, व्यक्तित्व और हिंदी साहित्य में योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. शंखधार रुहेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध एनएमएसएन दास पीजी कॉलेज, बदायूं के हिंदी विभाग के पूर्व शिक्षक एवं सुप्रसिद्ध कवि रहे हैं। कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार सिंह, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय, डॉ. रीना पंत सहित कल्चरल क्लब के सदस्यों का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

श्रावण के अंतिम सोमवार पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, सुख-समृद्धि की कामना

रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच /। पवित्र श्रावण मास के चौथे एवं अंतिम सोमवार को श्रावण शुक्ल पक्ष की पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर प्रात:काल देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बिल्व पत्र, दूब घास, भांग, सुगंधित पुष्प, ऋतु फल, चावल, मूंग, चना दाल, हल्दी, काला तिल, लौंग, यज्ञोपवीत आदि पूजन सामग्री अर्पित की।इसके उपरांत धूप-दीप, कपूर एवं आरती के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने मृत्युंजय महामंत्र एवं शिव पंचाक्षरी मंत्र का जाप करते हुए सभी के सुख, समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की। घंटा-घड़ियाल की गूंज के बीच भगवान भोलेनाथ की मानसिक आरती की गई। पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से नमः शिवाय, हर हर महादेव, जय महाकाल, जय बाबा विश्वनाथ, जय विष्णु भगवान, जय श्री राधे और जय श्री राम के जयकारे लगाए। अंतिम सोमवार के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से परिवार एवं समाज के कल्याण की प्रार्थना की।

हर-हर महादेव के जयकारों के साथ कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर सोमवार को बृजघाट से कांवड़ में पवित्र गंगाजल लेकर लौटे शिवभक्त कांवड़ियों ने मोहल्ला अब्दुल्ला स्थित शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। कांवड़ियों के मंदिर पहुंचते ही हर-हर महादेव और जय महाकाल के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। कांवड़ियों ने बृजघाट से पवित्र गंगाजल लाकर भगवान शिव को अर्पित किया और पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मोहल्ले की महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और अन्य श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे तथा कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कांवड़ बेड़े में शामिल सनी भोला, सचिन भोले, राजकुमार भोले, आकाश भोले, आशीष भोले, उमेश भोले, मुकेश भोले, तरुण भोले, अंकित भोले, शुभम भोले, विनीत भोले, अक्षय भोले, चिराग भोले, विष्णु भोले, सुनील भोले, सोमिल भोले, दक्ष भोले, मयंक भोले, अंशुल भोले, कृष्णा भोले, सारांश भोले, इसलोक भोले, शिवम भोले, आदर्श भोले, किशन भोले, नन्नू भोले, शिव भोले, अमित भोले और मनीष भोले सहित सभी शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। बेड़े के महंत अखिलेश भोले के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा संपन्न हुई। व्यवस्थापक अभिषेक भोले ने बताया कि शिवभक्तों ने बृजघाट से गंगाजल लाकर परंपरा के अनुसार शिव मंदिर में जल अर्पित किया। बेड़े के संयोजक भगवान चंद सक्सेना, रोमी बंसल, सोनू शर्मा और राजू बंसल सहित अन्य मोहल्लेवासियों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव, बोल बम और जय महाकाल के जयकारों से गूंजता रहा। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अलीगढ़ में मायावती का मंदिर बनाने की तैयारी, बसपा सुप्रीमो को लिखा पत्र, जवाब मिलते ही होगा भूमि पूजन

पंडित केशव देव गौतम ने 22 अगस्त को बसपा सुप्रीमो मायावती के लिए पत्र भेजा है। पत्र के माध्यम से उन्होंने मायावती से अनुमति मांगी है कि उनका मंदिर अलीगढ़ जनपद में बने और उसमें उनकी प्रतिमा लगाई जाए।जिस तरह से देश में चाहने वालों ने महात्मा गांधी, नरेंद्र मोदी, अटल बिहारी वाजपेयी, सोनिया गांधी आदि के मंदिर बनाए और उसमें उनकी पूजा होती है, उसी प्रकार से अब यूपी के अलीगढ़ में बसपा सुप्रीमो व यूपी की पूर्व सीएम मायावती का मंदिर बनाने की तैयारी है। अलीगढ़ से जिसके लिए मायावती को पत्र भेजा गया है। वहां से जबाव मिलते ही भूमि पूजन का कार्य शुरू होगा। भ्रष्टाचार विरोधी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित केशव देव गौतम ने 22 अगस्त को बसपा सुप्रीमो मायावती के लिए पत्र भेजा है। पत्र के माध्यम से उन्होंने मायावती से अनुमति मांगी है कि उनका मंदिर अलीगढ़ जनपद में बने और उसमें उनकी प्रतिमा लगाई जाए। पंडित केशव देव गौतम ने अमर उजाला को बताया कि तहसील खैर के मोहल्ला खेरे में उनकी एक निजी भूमि है। उस जमीन पर अपने खर्चे से मायावती का मंदिर बनवाऊंगा। शासन-प्रशासन से कोई आर्थिक सहायता नहीं ली जाएगी।उन्होंने कहा कि यह मंदिर किसी राजनीतिक गतिविधि से जुड़ा नहीं होगा, यह केवल एक प्रेरणा स्थल रहेगा, जहां से आने वाली पीढ़ी प्रेरणा ले सकेगी। मंदिर में मायावती की केवल प्रतिमा ही नहीं, उनके विचारों को भी जगह दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की ओर से मामले पर अनुमति मिलते ही भूमि का पूजन शुरू होगा। पंडित केशव देव गौतम रहे हैं चर्चा में- भ्रष्टाचार विरोधी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित केशव देव गौतम अधिकतर चर्चा में रहे हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में जूतों की माला पहनकर प्रचार किया। लोकसभा चुनाव 2024 में उन्हें चुनाव आयोग ने %चप्पल% चुनाव चिन्ह आवंटित किया था, जिसके बाद उन्होंने चप्पलों की माला पहनकर भी प्रचार किया था। अलीगढ़ सांसद पर कई आरोप लगाने को लेकर भी वह चर्चा में रहे हैं।

अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का विधिवत शुभारंभ

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच /। विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश एवं ग्रामभारती पिलखुवा ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत संचालित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तमनगर, रामपुर में पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार को अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का विधिवत शुभारंभ किया गया।विद्यालय के बाबू कल्याण सिंह सभागार में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में जिला पंचायत अध्यक्ष रामपुर एवं विद्यालय प्रबंधक ख्यालीराम लोधी मुख्य अतिथि एवं मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। पंडित नवल किशोर शर्मा ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कराया। इस दौरान संकल्प, नवग्रह पूजन, कलश पूजन, पवित्र ग्रंथ श्रीरामचरितमानस पूजन, गणेश पूजन, सरस्वती पूजन एवं देव आवाहन किया गया।इसके बाद भगवान शिव की स्तुति से संबंधित चौपाई आशुतोष तुम अवधर दानी, आरति हरहु दिन जनु जानी के अनुष्ठान के साथ प्रात:काल अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। पाठ का समापन 25 अगस्त मंगलवार को किया जाएगा। इसके उपरांत विद्यालय के भैया-बहनों, अभिभावकों, आचार्यों, प्रबंध समिति के सदस्यों तथा क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना के लिए हवन-यज्ञ किया जाएगा। आरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन भी होगा।इस अवसर पर निशांत कुमार लोधी, पूरन सिंह मौर्य, प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा, नरोत्तम सिंह, बृजकिशोर, उमेश कुमार, लक्ष्मण प्रसाद, जितेंद्र कुमार, प्रकाश बाबू, प्रेमपाल, अनिल कुमार, संजय सिंह, विजेंद्र सिंह, थान सिंह मौर्य, अंजली मौर्य, सुनीता रानी मौर्य, पर्यावरण प्रमुख एवं रंगोली प्रमुख पूजा टैगोर, विनीता, श्रीमती नीलम, क्रांति, कविता, शीतल, रजनी सहित विद्यालय परिवार के आचार्य, कर्मचारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

चामुंडा माता मंदिर की नई मूर्तियों को कराया नगर भ्रमण, श्रद्धालुओं ने लगाए जयकारे

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। नगर के मोहल्ला अब्दुल्ला स्थित चामुंडा माता देवी मंदिर (गमा देवत मंदिर) की नई मूर्तियों की स्थापना से पूर्व सोमवार शाम पांच बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक विधि-विधान के साथ नई मूर्तियों को मंदिर परिसर से नगर के विभिन्न मार्गों और बस्तियों में भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह दर्शन कर पूजा-अर्चना की और

धार्मिक जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना दिया। नई मूर्तियों को नगर भ्रमण कराने का उद्देश्य स्थापना से पूर्व धार्मिक परंपराओं के अनुसार उनका विधिवत नगर दर्शन कराना रहा। शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ शोभायात्रा में सहभागिता की। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं और पुरुषों ने धार्मिक जयकारे लगाए और नई मूर्तियों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर में आगामी धार्मिक अनुष्ठान एवं मूर्ति स्थापना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है।

शोभायात्रा में अखिलेश पांडे, निखिल पांडे, विनोद पांडे, आशीष शंकर पांडे, पंकज चौहान, संजय सक्सेना, विभोर पांडे, कार्तिक पांडे, अजय शर्मा, कल्लू शर्मा, अमित गुप्ता, अभिषेक पांडे, भगवान चंद सक्सेना, डॉ. मदन बंसल, रोमी बंसल, राजू बंसल, रूपक बंसल, आदर्श गुप्ता, केशव शर्मा, सुनीता पांडे, काजल मिश्रा, अंशु शर्मा, अर्चना पांडे, शशि सक्सेना, लवी बंसल, गीता गुप्ता, ममता गुप्ता, अवधेश शर्मा, मंजू गुप्ता, राखी गुप्ता, प्रेमलता सक्सेना, राधा सक्सेना, मंजू ठाकुर, रजनी शर्मा, सुनीता ठाकुर, मुस्कान शर्मा, छवि ठाकुर, बॉबी गुप्ता, शालू शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

विद्युत ट्रांसफार्मर के खंभों पर बेल का कब्जा, हादसे को खुला निमंत्रण

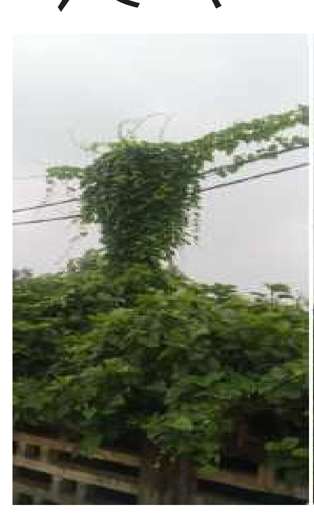

बिलारी। ग्राम सिसौना स्थित कब्रिस्तान में विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिससे गांव के एक बड़े हिस्से को विद्युत आपूर्ति की जाती है। इन दिनों ट्रांसफार्मर और उसके विद्युत खंभों पर बेलनुमा घास ने पूरी तरह कब्जा कर लिया है। खंभों के नीचे से लेकर ऊपर तक बेल चढ़ी होने के कारण विद्युत लाइन और खंभे तक ठीक से दिखाई नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बेल और घास के इस तरह विद्युत खंभों एवं तारों तक फैल जाने से कभी भी हादसा हो सकता है। बरसात के मौसम में नमी के कारण विद्युत उपकरणों के आसपास उगी बेल और घास दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके बावजूद विद्युत विभाग की ओर से अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि समय रहते ट्रांसफार्मर और विद्युत खंभों पर चढ़ी बेल व घास को हटाया जाए तथा आसपास की सफाई कराई जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि लापरवाही के चलते यदि कोई हादसा हुआ तो इसकी

संक्षिप्त समाचार

प्रैक्टिकल अंकों में हेरफेर के मामले में सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य निलंबित, 5 शिक्षकों पर भी होगी कार्रवाई, जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताएं

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शासकीय सांदीपनि विद्यालय खनियाधाना में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के प्रैक्टिकल एवं प्रोजेक्ट अंकों में कथित हेरफेर और गंभीर लापरवाही के मामले में संभागायुक्त ग्वालियर श्री मनोज खत्री ने सख्त कार्रवाई करते हुए विद्यालय के प्राचार्य श्री टेकचंद जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय रहेगा। यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के प्रतिवेदन के बाद की गई है। मामले की जांच के लिए गठित संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट में परीक्षा से संबंधित अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार परीक्षकों द्वारा दिए गए मूल अंकों को बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करते समय अंकों में हेरफेर की गई। इसके अलावा परीक्षा प्रभारी एवं कुछ शिक्षकों के बच्चों को नियम विरुद्ध शत-प्रतिशत अंक दिए जाने तथा कम उपस्थिति वाली छात्राओं की फर्जी उपस्थिति दर्शाकर उन्हें अधिकतम अंक दिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। 5 शिक्षकों पर भी होगी कार्रवाई- प्रकरण में संलिप्त पाए गए पांच उच्च माध्यमिक शिक्षकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इनमें श्रीमती प्रीति शर्मा, श्री नरेंद्र रावत, श्री धर्मेंद्र सिंह बैस, श्री नीरज सोनी और श्री मोहन सोनी शामिल हैं। इन शिक्षकों को पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। उनके द्वारा प्रस्तुत जवाबों को जांच के बाद असंतोषजनक पाया गया। संभागायुक्त श्री खत्री ने सभी संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-14 के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध प्रारूप आरोप पत्र 07 दिवस के भीतर तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। प्रैक्टिकल अंकों में अनियमितता के इस मामले में प्राचार्य के निलंबन और पांच शिक्षकों पर प्रस्तावित कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति है।

सावन के चौथे सोमवार पर गूंजा हर-हर महादेव, पूर्व सांसद प्रवीण ऐरन दंपती ने लगाया विशाल भंडारा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पवित्र सावन माह के चौथे सोमवार पर नागपंचमी मेला ग्राउंड, गंगापुर में पूर्व सांसद

प्रवीण सिंह ऐरन एवं पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रवीण सिंह ऐरन ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना एवं आरती कर किया। उन्होंने भगवान शिव को भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर भंडारे का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रवीण सिंह ऐरन ने कहा कि सावन भगवान शिव की आराधना के साथ सेवा का भी पर्व है। शिवभक्तों और जरूरतमंदों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन ने भी पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं की सेवा में सहभागिता की। भंडारा शुरू होते ही बड़ी संख्या में शिवभक्तों, कांवड़ यात्रियों, क्षेत्रवासियों और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाएं संभालते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने कहा कि सेवा ही सच्ची भक्ति है की भावना से भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान शिवचरण कश्यप, संजीव सक्सेना, दीपक शर्मा, विशाल अग्रवाल, संजीव यादव, दिनेश यादव, सूरज यादव, अनुज गंगवार, हरिओम प्रजापति सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और श्रद्धालु मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

उत्तर प्रदेश के बहराइच में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं... कि अब उन्होंने पुलिस की रात्रि गश्त की सीधे-सीधे पोल खोल कर रख दी

क्यूँ न लिखूँ सच / मामला मटेरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहरबा का है, जहाँ रात के अंधेरे में बेखौफ चोरों ने एक घर को अपना निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि बीती 23 और 24 अगस्त की दरमियानी रात, अज्ञात चोर घर में बंधी दो भैंसों को बड़ी आसानी से खोलकर फरार हो गए... और किसी को भनक तक नहीं लगी। सुबह होते ही जब परिवार ने खाली खूंटे देखे, तो उनके होश उड़ गए। पीड़ित परिवार ने अब पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। लेकिन, इस चोरी ने सबसे बड़ा सवाल पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़ा कर दिया है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि जहाँ यह वारदात हुई, वहां से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर शंकरपुर चौराहा पुलिस चौकी मौजूद है। ऐसे में सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या रात के समय पुलिस गश्त सिर्फ कागजों पर हो रही है? स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि मटेरा थाना क्षेत्र में चोरी की ये कोई पहली घटना नहीं है। पहले भी ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन कई मामलों का आज तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। फिलहाल, चोरी की इस ताज़ा वारदात के बाद पुलिस की जांच और कार्रवाई का इंतज़ार है। अब देखना यह होगा कि क्या बहराइच पुलिस नींद से जागकर इन दोनों भैंसों को बरामद कर पाती है... या फिर ये मामला भी पुरानी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

खलिहान और चकमार्ग की भूमि पर चला बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना सिरसिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मदरहवा के मौजा जुड़पनिया में प्रशासन का बुलडोजर गरजा। प्रशासन ने पुलिस बल की भारी मौजूदगी में स्कूल की बाउंड्री वॉल से सटी खलिहान और चकमार्ग की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया। गाटा संख्या 355 से सटे हुए गाटा संख्या 356 (खलिहान और चकमार्ग) की जमीन पर गांव के ही राम बहादुर उर्फ गोबरे द्वारा लंबे समय से अवैध कब्जा किया गया था। शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान जब प्रशासन की टीम बुलडोजर से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर रही थी, तभी कब्जेदार के परिवार वाले अचानक जेसीबी के आगे आ गए। उन्होंने प्रशासन से आगे की कार्रवाई न करने की गुहार लगाई और अपना सामान सुरक्षित हटाने के लिए कुछ समय की मोहलत मांगी तो प्रशासन द्वारा 4 दिन का समय दिया। मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार प्रशांत सिंह ने बताया अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन का कड़ा रुख, से खलिहान की आधी जमीन को पूरी तरह से खाली करा लिया गया है। शेष बचे हुए हिस्से में कब्जेदार के पशुओं का चारा और अन्य सामान रखा हुआ है। परिवार वालों की अपील पर उन्हें अपना सामान खुद हटाने के लिए 4 दिन का समय दिया गया है। चेतावनी दी गई है कि यदि तय समय सीमा के भीतर कब्जा नहीं हटाया गया, तो प्रशासन दोबारा बुलडोजर चलाकर जमीन को जबरन खाली कराएगा। इस अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान प्रशासन और पुलिस की टीम पूरी तरह मुस्तैद रही। मौके पर मुख्य रूप से प्रशांत सिंह नायब तहसीलदार, विकास पटेल लेखपाल अमर चंद उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर), कांस्टेबल जीतेंद्र कुमार जीतेंद्र दूबे, जय हिंद आदि मौजूद रहे।

डीएम व एसएसपी ने बहेड़ी स्टेडियम का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के साथ सोमवार को बहेड़ी स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण कर खेल सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला क्रीड़ा अधिकारी अमित रिछारिया को खिलाड़ियों की सुविधा के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने क्रिकेट अभ्यास पिच का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि खिलाड़ियों को अभ्यास के दौरान पर्याप्त रोशनी उपलब्ध कराने के लिए पिच के आसपास आवश्यक प्रकाश व्यवस्था कराई जाए व घास की कटाई कराई जाए। उन्होंने स्टेडियम परिसर एवं खेल मैदान की नियमित रूप से साफ-सफाई कराने के भी निर्देश दिए, ताकि खिलाड़ियों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके।

उन्होंने 100 मीटर दौड़ के लिए निर्धारित मैदान का भी निरीक्षण किया तथा दौड़ के लिए मैदान का समुचित समतलीकरण कराने के निर्देश दिए, जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और खेल गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित की जा सकें।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने नए निर्माण के अंतर्गत तैयार किए जा रहे जी प्लस थ्री भवन का भी निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने जिला क्रीड़ाधिकारी को निर्देशित किया कि स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध खेल सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए तथा आवश्यक कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराते हुए खेल गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुलिस अधिकारियों को सम्मान ,क्षेत्र वासियों ने दी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी /विदिशा- पठारी/जिला विदिशा में उत्कृष्ट कार्यो के लिए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी द्वारा कुरवाई एसडीओपी रोशनी सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । दोनों पुलिस अधिकारियों को उनकी कर्तव्य निष्ठा ,बेहतर कार्यशैली और पुलिस सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि पुलिस अधिकारियों का इस तरह सम्मानित होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है । उन्होंने दोनों अधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण अन्य पुलिस कर्मीयों लिए भी प्रेरणा स्रोत है। लोगों ने उम्मीद जताई कि एसडीओपी रोशनी सिंह ठाकुर और थाना प्रभारी ऋषु राज सिंह भविष्य में भी इसी तरह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों निर्वहन करते हुए समाज की सेवा करते रहेंगे।

क्षेत्रधिकारी भिनगा द्वारा थाना सिरसिया का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी भिनगा भरत पासवान द्वारा थाना सिरसिया का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी द्वारा थाना परिसर, कार्यालय, हवालात, मालखाना एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए थाने के विभिन्न अभिलेखों, रजिस्टरों एवं रिकॉर्ड का गहन अवलोकन किया गया। लंबित प्रार्थना पत्रों एवं विवेचनाधीन अभियोगों की समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थाने में तैनात पुलिसकर्मियों से उनकी ड्यूटी, बीट व्यवस्था, क्षेत्र में पुलिसिंग गतिविधियों एवं जनसुनवाई से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही श्रावण मास के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी द्वारा थाना क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों एवं धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की भीड़, कांवड़ यात्रा एवं यातायात व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। धार्मिक स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सजगता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया।

सीडीओ ने विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने विकास खण्ड जगत के प्राथमिक विद्यालय नरऊ बुजुर्ग एवं आंगनबाड़ी केन्द्र नरऊ बुजुर्ग का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से शिक्षा से सम्बंधित प्रश्न किए व उनके साथ भोजन भी किया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक अपने समस्त स्टाफ सहित उपस्थित मिले। मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय में बच्चों को दिए जा रहे मिड-डे-मील की गुणवत्ता की जांच की, जो संतोषजनक पाई गई। उन्होंने रसोईघर का भी निरीक्षण किया, जहां साफ-सफाई का अभाव पाया गया तथा प्रकाश की समुचित व्यवस्था नहीं थी। मुख्य विकास अधिकारी ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालय के रसोईघर सहित परिसर में समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाए तथा प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था कराई जाए, ताकि बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके। इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने आंगनबाड़ी केन्द्र नरऊ बुजुर्ग का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केन्द्र पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को ड्यूटी अवधि में निर्धारित यूनीफार्म में उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की नियमित रूप से निगरानी करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित किया जाए।

12 घंटे में चोरी की 400 फीट केबल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/ गोवर्धन। गोवर्धन थाना पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात के महज 12 घंटे के भीतर चोरी गई 400 फीट केबल बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को फरियादी नेतराम पुत्र केदार प्रसाद शर्मा, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम गाजीगढ़, ने तोमर बिल्डर कंपनी की केबल चोरी होने की रिपोर्ट थाना गोवर्धन में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 70/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। संपत्ति संबंधी अपराधों में चोरी गया माल बरामद करने एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 24 अगस्त को कार्रवाई करते हुए आरोपी नीलम रावत पुत्र नरेंद्र रावत, उम्र 32 वर्ष, निवासी गिरवानी थाना गोवर्धन को पिपलौदा तीर्थ तिराहे की पुलिया के पास से पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की 400 फीट केबल बरामद कर पंचों के समक्ष जब्त की। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में इनकी रही भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोवर्धन उप निरीक्षक सौरभ तोमर, सहायक उप निरीक्षक दशरथ सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक 1017 रवि कन्नौजी, आरक्षक 179 हुकुम सिंह, आरक्षक 473 रफीक खान, आरक्षक 752 शैलेन्द्र धाकड़, आरक्षक 740 रविन्द्र शर्मा एवं आरक्षक 24 चालक अजीम खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

वनकर्मी ने बेचा पेड़, विभाग ने लकड़ी बरामद की

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती- थाना हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र के रेंज जंगल में एक हफ्ता पूर्व सुजानडीह बीट कक्ष संख्या तीन से एक साखू पेड़ का पेड़ चोरी से काटकर गायब कर दिया गया था और वन विभाग को भनक तक नहीं मुखबिर ने साखू पेड़ कटने की सूचना रेंजर हरिनारायन सिंह को दी। इस पर छानबीन की गई तो वनकर्मी ही अवैध कटान का मास्टर माइंड निकला। हुई। रेंजर की सूचना पर डीएफओ धनराज मीणा ने कटान संबंधी मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ वेद प्रकाश को काटे गए पेड़ की जांच सौंपी। एसीडीओ सुजानडीह बीट जंगल पहुंचे तो पता चला कि पेड़ काटे जाने की सूचना सही है। एसडीओ वेद प्रकाश ने वनक्षेत्राधिकारी हरिनारायन सिंह से जल्द लकड़ी बरामद तथा वनमाफियों को पकड़ने की योजना बनाई। इस दौरान एक दैनिक श्रमिक वाचर को पकड़कर कढ़ाई से पूछताछ की गई तो उसने पेड़ कटान का पूरा राज खोल दिया। इस पर वनदरोगा तौफीक खां, वनदरोगा अजय कुमार कश्यप, वनरक्षक सिंह, न्यूनतम वेतन कर्मी रक्षाराम यादव, बेचूलाल मौर्या, बंगे, छोटेलाल, शुभम सहित सभी वनकर्मियों को लेकर दैनिक श्रमिक वाचर के बताए गए स्थान जंगल से सटे उत्तर दिशा में आम के बाग से अलग अलग दिशा में रखे साखू के लकड़ी को बरामद किया।

करंट की चपेट में आई महिला की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती हरदत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्राम सिटकहना निवासी परसराम यादव की पुत्री संगीता (25) नागपंचमी का त्योहार मनाने अपनी ससुराल भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टड़वा बनकटवा से मायके आई थी। उसकी मां व परिवार के अन्य सदस्य घर के अन्य काम में लगे थे। इसी बीच संगीता अपनी मोबाइल को चार्ज करने के लिए कमरे में लगे बोर्ड से लगाने लगी। इस दौरान बिजली की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

पांच साल से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ रन्नौद। थाना रन्नौद पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच साल से फरार आरोपी मनीष परिहार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिले में स्थाई वारंटों की तामीली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में रन्नौद पुलिस द्वारा फरार वारंटियों की लगातार तलाश की जा रही थी। पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को थाना प्रभारी रन्नौद उप निरीक्षक राजीव कुमार दुबे को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रकरण क्रमांक ꟾCT 152/21 में स्थाई वारंटी मनीष पुत्र नवल सिंह परिहार निवासी ग्राम बीजरी अपने घर आया हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम बीजरी में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोलारस द्वारा प्रकरण क्रमांक RCT 152/21 में स्थाई वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद से वह अपनी उपस्थिति छिपाकर फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रन्नौद उप निरीक्षक राजीव कुमार दुबे, सहायक उप निरीक्षक जयनारायण, प्रधान आरक्षक 846 महेश पटेलिया, आरक्षक 814 महेश सिंह एवं आरक्षक 716 दीपक तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

पर्वतों के नाम से सजेगा ग्रेटर बरेली, 11 सेक्टरों को मिली खास पहचान

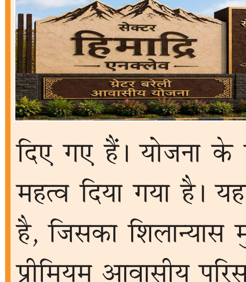

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। ग्रेटर बरेली आवासीय योजना को विशिष्ट पहचान देने के लिए इसके 11 सेक्टरों का नाम देश की प्रमुख पर्वत श्रृंखलाओं, पर्वतों और धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों के नाम पर रखा गया है। सेक्टर-1 से 11 तक हिमाद्रि, शिवालिक, नीलगिरि, सह्याद्रि, विंध्याचल, धौलाधार, मेरु, नंदा देवी, त्रिशूल, केदारगिरि और गोवर्धन एन्क्लेव नाम दिए गए हैं। योजना के केंद्र में स्थित मेरु एन्क्लेव को विशेष महत्व दिया गया है। यहां सेन्ट्रल पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसका शिलान्यास मुख्यमंत्री जी कर चुके हैं। इसी क्षेत्र में प्रीमियम आवासीय परिसर भी विकसित किया जा रहा है, जिसे जल्द जनता के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। हिमाद्रि और शिवालिक सेक्टरों के बीच से गुजर रही नहर को कैनाल फ्रंट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस तरह ग्रेटर बरेली में पर्वत, जल और हरियाली को एक साथ जोड़कर आधुनिक टाउनशिप की नई पहचान तैयार की जा रही है। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय, आईएएस, ने कहा कि सेक्टरों का नामकरण केवल पहचान देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि योजना को विशिष्ट स्वरूप देने का प्रयास है। मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुरूप यहां आधुनिक विकास के साथ प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण का समन्वय किया जा रहा है।

Does it take time to extract pomegranate seeds? These simple tricks will come in handy.

If you're also finding it time-consuming to extract pomegranate seeds, read this article. Here, we'll share some tips and tricks. Pomegranates are considered both delicious and beneficial for health, but extracting the seeds before eating them can be a hassle for many. This is why many people avoid including pomegranate in their diet, even if they want to. If you're also finding it time-consuming to extract pomegranate seeds, worry no more. With a few simple tips and the right method, you can extract pomegranate seeds in no time. You don't need any special equipment. You just need to know how to cut the pomegranate correctly and separate the seeds from the peel. Let's explore some simple and effective methods for extracting pomegranate seeds. 1. Make a light cut with a knife. Wash the pomegranate and cut off a small portion at the top. Then, make a light line cut from top to bottom on the fruit. Now, open it into separate pieces with your hands. This will make it easier to remove the seeds. 2. Using the water method: Break the pomegranate into pieces and place it in a large vessel filled with water. Slowly separate the seeds under the water. The seeds will settle to the bottom, while a thin layer of peel may float. This makes it easier to separate the seeds from the peel. Use a spoon to cut the pomegranate in half. Hold one piece in your hand. Place the cut side over a vessel and gently tap the back of the spoon. The seeds will fall into the vessel. First, roll the pomegranate on a table or kitchen counter for a few seconds, applying light pressure with your palm. This will loosen the seeds inside. After this, cut the pomegranate and remove the seeds easily. When removing the seeds by hand, avoid pressing too hard on the pomegranate, as this could cause the seeds to burst, and the juice could leak out, dirtying your hands and surrounding area. Gently remove the peel and separate the seeds. Important Tip: Wash the pomegranate thoroughly before cutting it. The utensil and knife you use to remove the seeds should also be clean. After removing the seeds in the water method, strain them through a sieve to remove any excess water.

How to distinguish between genuine and fake ghee? Learn easy ways to check its purity.

Recently, FSSAI banned companies that were selling adulterated ghee. If you've purchased ghee from the market, be sure to check its purity at home. How to check the purity of ghee at home? 1. The Refrigerator Test: Put a small amount of ghee in a clean glass or steel container and refrigerate it for a few hours. After it solidifies, carefully observe the texture and layers of the ghee. If the ghee appears to be frozen in unusual layers or there is a significant difference in texture, its quality should be questioned. 2. Melt the ghee: Heat a small amount of ghee and melt it, noting its color, smell, and texture. Generally, good quality ghee appears uniform upon melting. If the ghee exhibits an unusual odor, excessive residue, or distinct layers, be wary. 3. Pay attention to the smell and color. The smell of ghee can also provide an early indication of its quality. Ghee generally has its own distinctive aroma. If there's a strong artificial fragrance, strange odor, or rancidity, double-check before purchasing or using it. Similarly, don't judge the purity of ghee by its color alone, as different types of ghee can vary. Read the label: When purchasing packaged ghee, carefully read the complete information on the package. Check the FSSAI license number, ingredients, manufacturing and expiry dates, batch number, and manufacturer's information. Simply stating "100% Pure" or "100% Natural" does not guarantee the purity of the ghee. 5. Don't consider home tests as final proof. Home tests are only useful for preliminary testing. They do not confirm that the ghee is 100% pure. If there is a strong suspicion of adulteration, an accredited lab test is the most reliable method for testing a food product. What to do if adulteration is suspected? If the ghee's taste, smell, color, texture, or packaging appear suspicious, avoid using it regularly. Keep the ghee's packet, bill, and batch number safe. If necessary, a complaint can be lodged through the Food Safety Department or the relevant consumer complaint system.

A devastating Ebola outbreak has hit this country, with over 2,300 deaths in three months; one life lost every half hour.

The Democratic Republic of Congo is grappling with the Ebola epidemic. 2,325 people have died from the virus in the country in the past three months. According to statistics, one person is dying every half hour. The Democratic Republic of Congo has been experiencing an Ebola epidemic for the past few months. The current Ebola outbreak was officially declared on May 15, 2026. According to recently released government figures, approximately 5,000 people have been infected with the virus in Congo so far, and 2,325 have died. In addition to Congo, Uganda is also being affected. The United Nations has also expressed concern about the spread of Ebola in Congo. According to the UN, Ebola is spreading at a record pace in Congo, claiming the life of one person every 30 minutes. Congo has previously been affected by Ebola from 2018 to 2020, however, this time the infection and spread are at a much more dangerous level. Congo is currently in the grip of its 17th Ebola outbreak. Health organizations are urging people in affected areas to continue taking precautions. Many countries, including India, have provided necessary assistance to Congo to combat this Ebola outbreak. However, many organizations have expressed concern that the lack of adequate cooperation from local people is one of the biggest challenges at this time. Due to delays in testing and a lack of adequate treatment, this infectious disease is causing significant hardship for people. This is the first time such a dangerous Ebola outbreak has been witnessed. According to international media reports, Ebola is not new to Congo; this is the 17th outbreak. However, this time the death toll has exceeded the previous major outbreak between 2018 and 2020. During that time, 3,481 cases were reported and 2,299 people died. The most worrying aspect of this outbreak is its speed. No previous Ebola outbreak has infected and killed people so rapidly. The WHO says that if the infection continues at this pace, it could surpass the 2014-16 Ebola outbreak in West Africa. That outbreak is considered the deadliest in Ebola history, killing over 11,000 people. The threat of Ebola in other countries is not limited to Congo and Uganda; it has spread to other countries as well. In a June 24 report, we reported that the first case of Ebola had been reported in France. A doctor returning from a humanitarian mission in Congo was confirmed to be infected with the deadly virus. Suspected Ebola cases have been reported in India as well, although no confirmed cases have been reported. It's not just the virus itself, but several ground conditions are also increasing the risk. The Ebola virus currently spreading in Congo is the Bundibugyo virus. There is currently no approved vaccine or treatment for routine use. However, clinical trials for vaccines and treatments are underway in Congo's Ituri province. Medical teams responding to Ebola are also facing significant challenges. Some health workers are on strike due to unpaid salaries. There are threats from rebel groups. Long-suffering locals are also angry with the health system and authorities. Roads leading to many areas are in poor condition, making it difficult to reach patients and affected areas. Furthermore, misinformation spread on social media and locally is also exacerbating the problem. In some places, people are unwilling to even believe that Ebola is a real disease. On August 13th, UN humanitarian aid chief Tom Fletcher announced that an additional $30.5 million in aid was being provided to combat Ebola. He also announced that 20 more personnel would be sent to the frontlines. Calling this a "warning signal," Fletcher said that swift, large-scale, and collaborative action is needed to prevent the virus from spreading further. However, the situation on the ground suggests otherwise. The vaccine is available, but its effectiveness is unknown. The WHO reported that Congo will receive 70,000 doses of the Evebo vaccine. This is the same vaccine that has proven effective during previous Ebola outbreaks. These doses are being provided from the global stockpile of Ebola vaccine stored worldwide. Of these 70,000 doses, 20,000 will be used in a large, final-stage clinical trial to determine how much protection this vaccine can provide against the Bundibugyo virus. It's important to understand one important point here. The Ervebo vaccine is already approved for use against Ebola. However, it has not yet been approved for use against the Bundibugyo virus. The WHO states that it is not yet known whether the vaccine can provide protection against the Bundibugyo virus in humans. This is why the clinical trials currently underway are extremely important.

Vaani Kapoor posed in a bikini for her birthday, drawing comments from celebrities and fans.

Vaani Kapoor sent fans into a frenzy by posing in a bikini on her birthday. Fans and celebrities are showering her with praise. Renowned Bollywood actress Vaani Kapoor is currently in the news for her upcoming film "Badtameez Gill." Meanwhile, she has given her fans a treat with this post. The actress has posed stunningly in a bikini, and users are praising her photos. What's in Vaani Kapoor's post? Vaani Kapoor is celebrating her 38th birthday today. On this day, she shared stunning photos of herself in a blue bikini. In one photo, she poses in a swimming pool. In another, she sits by the pool. In another, she shows off her glamorous style. What caption did Vaani Kapoor write? Sharing her photos on Instagram, the actress wrote in the caption... Another year around the sun. Trying less to understand things. Focusing more on living the moment. More life, more laughter and I am ready for everything that comes next. Users liked the pictures- Vaani Kapoor has created a stir on social media with her pictures. Rashi Khanna has commented a fire emoji on her pictures. Nimrat Kaur has wished her a happy birthday. A fan wrote 'Bollywood's hottest actress'. Another user has called her a 'catastrophe'. Vaani Kapoor's work front- Let us tell you that Vaani Kapoor entered Bollywood with 'Shuddh Desi Romance'. She is going to be seen in the film 'Badtameez Gill'. In this, she will be seen with Aparshakti Khurana and Paresh Rawal. She will soon be a part of the film 'Sarvggun Sampanna'.

Why is the character of "Jeet" special to Sunny Deol? Post shared on the film's 30th anniversary

Bollywood actor Sunny Deol's film "Jeet" has completed 30 years. To mark the occasion, the actor shared an emotional post with fans on social media. On Sunday, Sunny Deol posted a video from the film "Jeet" on Instagram. Along with this post, he also wrote a message to his fans. The actor also explained why the 1996 film "Jeet" and the character of Karan he played in it were special to him. Why is the film "Jeet" close to his heart? Sunny Deol expressed his happiness on the completion of 30 years of the film "Jeet." He shared several scenes from the film in a video. He captioned it, "The film 'Jeet' has completed 30 years. Karan, his love, his anger, and his sacrifice were very special. This is a character that remains in my heart even today." Thank you all for giving this film so much love for 30 years. What was the story of the film 'Jeet'? Directed by Raj Kanwar, 'Jeet' was released in 1996. Sunny Deol starred alongside Salman Khan, Karisma Kapoor, Tabu, and Amrish Puri. The film dealt with themes of love, loyalty, revenge, and sacrifice. Sunny played Karan, a man torn between his emotions and circumstances. What is Sunny Deol doing on the career front? - Sunny Deol's film 'Partition 1947' was recently released. The film also stars Preity Zinta, Shabana Azmi, Karan Deol, Ali Fazal, and Abhimanyu Singh in important roles. The film was directed by Rajkumar Santoshi and produced under the banner of Aamir Khan Productions. The film did not do well at the box office.

Karisma Kapoor loved this look in the 90s, it's still trending today; she said, "I'm lucky that..."

Karisma Kapoor captivated people with her look in the 90s. However, even after so many years, this look is still being adopted by the younger generation. The actress recently shared her reaction to this in a conversation. Actress Karisma Kapoor's styling was much-talked about in Bollywood during the 90s. She left a distinct impression in every role. Her cool look is still trending among the new generation. During a conversation, the actress spoke extensively about her memorable fashion. What did Karisma say about her style? Karisma Kapoor has played a variety of roles in films, whether it's the emotional girl in "Raja Hindustani" or the innocent wife in "Coolie No. 1." In a conversation with ANI, she explained how each role brought a new style to her. Karisma said, "I am very fortunate to have had the opportunity to play so many different looks and characters. My favorites are the looks from "Haseena Maan Jaayegi" and "Dulhan Hum Le Jayenge." I think the style of cargo pants and fitted crop tops in "Haseena Maan Jaayegi" was very comfortable. Even after so many years, people still follow that look. It's considered as comfortable today as it was then." Kangana also praised Karisma - Recently, actress Kangana Ranaut shared a childhood photo of herself on social media, along with a note for Karisma. She also wrote, 'Who was a fan of the original fashionista Karisma Kapoor in the 90s? I definitely was.' Apart from this, Kangana also played Karisma's famous song 'Le Gayi... Le Gayi' from the film 'Dil To Pagal Hai' in the background music of the post. Karisma Kapoor's work front - Actress Karisma Kapoor was recently seen in the web series 'Brown'. Apart from this, she has also appeared in reality shows like 'India's Best Dancer'. Karisma's last film was 'Murder Mubarak' released in 2014.